



भारतीय पृथिव विज्ञान मंत्रालय, भारतीय हवामान शास्त्र विभाग आणि
डॉ. बाळासाहेब सावंत कोकण कृषि विद्यापीठ, दापोली सहयोगीत
- ग्रामिण कृषि मौसम सेवा प्रकल्प :-
उद्यानविद्या महाविद्यालय, मुळदे ता. कुडाळ, जि. सिंधुदुर्ग
हवामान पूर्वानुमान कृषि सल्ला पत्रक - सिंधुदुर्ग
कालावधी (दिनांक १०.०३.२०२० ते १४.०३.२०२०)



| अंक १९/२०२० | | | | | | | दिनांक १०.०३.२०२० | | | कालावधी ५ दिवस | | | | |
|-------------------------------------------------------------------------------------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|------------------------------------|------------------------|------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------|---------|----------------------------------|---------|--|
| मागील आठवड्यातील हवामान घटकांची प्रत्यक्ष नोंद (०३/०३/२०२० ते ०९/०३/२०२० पर्यंत) | | | | | | | हवामान घटक | | | पट्टील पाच दिवसांचे हवामान घटकांचे पूर्वानुमान (वैधता १०/०३/२०२० ते १४/०३/२०२० पर्यंत) | | | | |
| ०३/०३ | ०४/०३ | ०५/०३ | ०६/०३ | ०७/०३ | ०८/०३ | ०९/०३ | दिनांक | | १०/०३ | ११/०३ | १२/०३ | १३/०३ | १४/०३ | |
| ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | पाऊस (मि. मी) | | ० | ० | ० | ० | ० | |
| ३६.० | ३६.० | ३५.० | ३३.० | ३४.० | ३५.५ | ३५.५ | कमाल तापमान (अं. से) | | ३३ | ३२ | ३२ | ३२ | ३२ | |
| १९.० | १९.० | १८.० | १९.० | १९.० | १८.० | १७.५ | किमान तापमान (अं. से) | | १९ | २० | २० | १९ | २० | |
| ढगाळ | निरभ | निरभ | निरभ | ढगाळ | निरभ | ढगाळ | सकाळ | मेघाच्छादन (ऑक्टा.) | ० | ० | १ | ० | ० | |
| निरभ | निरभ | निरभ | ढगाळ | ढगाळ | ढगाळ | निरभ | दुपार | | | | | | | |
| ८९ | ८३ | ८८ | ८९ | ८९ | ८३ | ८५ | सकाळची सापेक्ष आर्द्रता (%) | | ६६ | ८२ | ७१ | ६३ | ७१ | |
| ३७ | ३१ | ४४ | ४४ | ४४ | ३७ | ४५ | दुपारची सापेक्ष आर्द्रता (%) | | ३८ | ४० | ४१ | ३३ | ३६ | |
| १.७ | १.९ | २.६ | २.१ | १.७ | २.२ | १.७ | वा-याचा वेग (कि.मी/तास) | | ००७ | ०१० | ००९ | ००८ | ००९ | |
| स्थिर | स्थिर | स्थिर | स्थिर | स्थिर | स्थिर | स्थिर | सकाळ | वा-याची दिशा | दक्षिणे | दक्षिणे | दक्षिणे | पूर्व | आग्नेये | |
| पश्चिम | पश्चिम | दक्षिण | पश्चिम | पश्चिम | पश्चिम | दक्षिण | दुपार | | कडून | कडून | कडून | कडून | कडून | |
| मागील वर्षातील (२०१९) पर्जन्य (मि. मी) | | | | | | | १/०१/२०२० पासूनचे पर्जन्य (मि. मी) | | १/०६/२०२० पासूनचे पर्जन्य (मि. मी) | | | मागील आठवड्यातील पर्जन्य (मि.मी) | | |
| ४५९१.० | | | | | | | ०.० | | ०.० | | | ०.० | | |

पट्टील ५ दिवसांच्या हवामानाची सामान्य स्थिती: येत्या आठवड्यात वा-याचा वेग वाढण्याची शक्यता असून हवामान कोरडे व निरभ राहण्याची शक्यता आहे.

हवामान पूर्वानुमान कृषि सल्ला

| पिकाचे नाव | पिकाची अवस्था | कृषि सल्ला |
|-------------|-------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| आंबा | फुलोरा ते फळधारणा | येत्या आठवड्यामध्ये वा-याचा वेग वाढण्याची शक्यता असल्यामुळे नविन लागवड केलेल्या आंबा कलमांना काठीचा आधार द्यावा. त्याचबरोबर उन्हापासून संरक्षणासाठी शेडनेटच्या सहाय्याने सावली तयार करावी. फळमार्शांच्या नियंत्रणासाठी विद्यापीठाने विकसित केलेले मिथिल युजिनॉल युक्त 'रक्षक सापळे' प्रती हेक्टरी चार या प्रमाणात आंबा बागेमध्ये लावावेत. कातळावरील व जांभ्या खडकातील आंबा लागवडीमध्ये फळगळ टाळण्यासाठी १% कॅल्शियम नायट्रेटची फवारणी करावी आंबा फळगळ नियंत्रणासाठी, ऊत्पन्न वाढविण्यासाठी व फळाची प्रत सुधारण्यासाठी फळे वाटाणा, गोटी व सुपारीच्या आकाराची असताना १% पोटॅशियम नायट्रेटची तीन वेळा फवारणी करावी. पाण्याची उपलब्धता असल्यास झाडांना विस्तारानुसार प्रती झाड १५०-२०० लि. पाणी १५ दिवसांच्या अंतराने द्यावे. बाष्पीभवन कमी करण्यासाठी जांभा जमिनीमधील आंबा कलमांना गवताचे आच्छादन द्यावे. झाडावरील सुकलेला मोहोर सकाळी १० ते संध्याकाळी ३ या वेळेत स्वच्छ करावा. आंब्यातील फळगळ टाळण्यासाठी फळांना विद्यापीठ शिफारसीनुसार कागदी पिशव्यांच्या आच्छादन करण्यात यावे. |
| काजू | फळधारणा | येत्या आठवड्यामध्ये वा-याचा वेग वाढण्याची शक्यता असल्यामुळे नविन लागवड केलेल्या काजू कलमांना काठीचा आधार द्यावा. त्याचबरोबर उन्हापासून संरक्षणासाठी शेडनेटच्या सहाय्याने सावली तयार करावी. काजूवरील बोंड व बी पोखरणा-या अळींच्या नियंत्रणासाठी डायक्लोरोव्हाॅस ७६% प्रवाही १० मिलि प्रति १० लिटर पाण्यातून फवारावे. काजू बियांवर बाष्प प्रक्रिया करताना चांगल्या रंगाचे व अखंड काजूगर मिळविण्यासाठी काजू बिया सुरक्षा झप बसविलेल्या उभ्या पद्धतीच्या बाष्पपात्रात १.७५ कि.ग्रॅ/चौं.से.मी. या दाबास १५ मिनीटे ठेवण्याची शिफारस करण्यात येत आहे. काजूमध्ये काढणीयोग्य बी तयार झालेली आहे. तयार झालेल्या बीयांची काढणी करून ती उन्हामध्ये योग्यप्रकारे वाळवावी. काजूच्या झाडाला रोठा किड लागली असल्यास पाने पिवळी पडतात व खोडामधून छिद्राद्वारे भूसा बाहेर पडलेला दिसतो. काजूवर खोडकिडा (रोठा) या किडिचा प्रादुर्भाव आढळून आल्यास १५ मि.मी. पटाशिच्या सहाय्याने प्रादुर्भित साल काढून झाडातील रोठ्याला बाहेर काढून मारून टाकावे व तो भाग २०% प्रवाही क्लोरोपायरीफॉस ५० मी. लि. १० लिटर पाण्यामध्ये मिसळून चांगला भिजवावा. |
| नारळ | - | येत्या आठवड्यामध्ये वा-याचा वेग वाढण्याची शक्यता असल्यामुळे नविन लागवड केलेल्या नारळाच्या रोपांना काठीचा आधार द्यावा. त्याचबरोबर उन्हापासून संरक्षणासाठी शेडनेटच्या सहाय्याने सावली तयार करावी. नारळ पिकावर पांढ-या माशीचा प्रादुर्भाव आढळून आला असून नियंत्रणासाठी पिवळे चिकट सापळे बसवावे तसेच तयार झालेली काळी काजळी धुवून काढण्यासाठी १% पिष्टमय पदार्थाची (स्टार्च) (१० ग्रॅम स्टार्च प्रति लिटर पाणी) फवारणी करावी. त्याचबरोबर जास्त प्रादुर्भाव दिसून आल्यास ०.५% निम तेलाची (५ ग्रॅम प्रति १० लि. पाणी) फवारणी करावी. तसेच कितक नविन क्षेत्रात पसरू नये यासाठी ०.००५% इमिडाक्लोप्रिड (०.५ मिलि प्रति १० लि. पाणी)या कितकनाशकाची फवारणी करावी. |
| वायंगणी भात | लॉबी | उन्हाळी भात पीकामध्ये पाण्याचे नियोजन योग्य प्रकारे करावे. लॉब्या येण्यापूर्वी १० दिवस अगोदर व लॉब्या आल्यानंतर १० दिवसांपर्यंत शेतामधील पाण्याची पातळी १० सेमी पर्यंत ठेवावी. भातावर करपा रोगाचा प्रादुर्भाव आढळून आल्यास ट्रायसायक्लॅझोल १० ग्रम किंवा आयसोप्रोथिऑलेन १० मिलि प्रति १० लिटर पाण्यात मिसळून फवारावे. |
| भुईमुग | फुलोरा ते आरा | भुईमुग पीक फुलो-यात असताना तसेच शेंगा भरण्याच्या वेळेस पाण्याच्या २ पाळ्यांमधील अंतर सुमारे १२ ते २० दिवस असावे. भुईमुग पिक काही ठिकाणी फुलोरा अवस्थेत असून हळुव्या जाती आरा अवस्थेत आहेत. तरी भुईमुगाच्या पिकावरून रिकामे पिंप फिरवल्याने जमिनीत घुसणा-या आ-यांची परिणामतः शेंगांची संख्या वाढल्याने भुईमुगाचे ऊत्पन्न वाढते. |
| कळीथ | काढणी | काही ठिकाणी कळीथ पीक काढणीस तयार झालेले आहे. तयार झालेल्या शेंगा काढून उन्हात चांगल्या वाळवाव्यात. |

सदर कृषि सल्ला पत्रिका ही डॉ. बाळासाहेब सावंत कोकण कृषि विद्यापीठाच्या, प्रादेशिक फळ संशोधन केंद्र, वेग्ल व उद्यानविद्या महाविद्यालय, मुळदे येथील "ग्रामिण कृषि मौसम सेवा" योजनेतील तज्ञ समितीच्या शिफारशी वरून तयार करून प्रकाशित करण्यात आली.

| | | |
|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| डॉ. प्रदिप चं. हळदवणेकर सहयोगी अधिष्ठाता उद्यानविद्या महाविद्यालय, मुळदे ता. कुडाळ, जि. सिंधुदुर्ग | डॉ. प्रदिप चं. हळदवणेकर नोडल ऑफिसर (ग्रामिण कृषि मौसम सेवा) उद्यानविद्या महाविद्यालय, मुळदे (०२३६२-२४४२३१) | डॉ. यशवंत चं. मुळाळ तांत्रिक अधिकारी ग्रामिण कृषि मौसम सेवा उद्यानविद्या महाविद्यालय, मुळदे (०२३६२-२४४२३१) |
|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|